क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ पर पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

"*कृषि विविधीकरण द्वारा ऊसर भूमि में किसानों की आय में वृद्धि*" पर पॉच दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 23–27 दिसम्बर, 2024 के दौरान के0मृ0ल0अ0सं0– क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ पर आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केन्द्र, बुरहानपुर (म0प्र0) के 15 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का आरम्भ दिनांक 23.12.2024 को डॉ0 ओ0पी0 चतुर्वेदी, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झॉसी के मुख्य आथित्य में हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में किसानों को कृषि विविधीकरण की आवश्यता पर प्रकाश डाला। मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती, मछली पालन आदि अपना कर किसान अपनी आय बढा सकता है। उन्होंने बताया कि लवणीय भूमि को सुधारने के किए कृषि वानिकी एक अच्छा विकल्प ही नहीं आय का स्रेत भी है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 आर0एच0 रिजवी ने कार्यक्रम की रूप रेखा के बारे में बताया। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र के अध्यक्ष डॉ0 ए0के0 दुबे ने ऊसर भूमि में सुधार हेतु केन्द्र पर होने वाले शोध व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही किसानों को बागवानी अपनाने का आहवाहन किया जिससे उनकी आय में वृद्धि की संभावना हो सकती है। कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में डॉ0 यशपाल सिंह, पूर्व अध्यक्ष तथा समस्त वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी समलित हुए।